Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

ॐ गंग गणपतये नमः

(Prime Report)

Call: 08674827268

Kiara ID: 80011635 Date: 15/06/2020 Validity : 1 ~~Year~~ month Only (Fees.)

नामः Navya	जन्म तिथिः 15/03/2020	जन्म समयः 02:15 PM
जन्म स्थानः Ghaziabad (UP)	मांगलिक योगः NO	इष्ट देवः Hanuman Ji
लग्नः Kark lagna	राशिः Vrishchik	नक्षत्रः Jyestha - 1

गण्डमूल नक्षत्र : 27वें दिन नक्षत्र की शांति अनिवार्य है।

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रहः (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Shukra (सम)	100%	Chandra (नीच)	100%
2.			Shani (स्व)	25%
3.			Surya	25%
4.			Mangal	20%
5.			Guru (स्व)	20%
6.			Budh	25%
			Rahu (श)	70%
			Ketu (श)	70%

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): NA,
Health Problems ज्यादा रहेंगे। आगे report से दान की मदद से स्वस्थ रहा जा सकता है। इसलिए बताये ग्रह का दान बच्चे का हाथ लगाकर अवश्य follow करें।

3. कुण्डली दोषः अंगारक योग, सूर्य ग्रहण योग।

4. शुभ दिनः शुक्रवार

5. शुभ रंगः सफेद, पीला। अशुभ : (लाल, हरा, काला, नीला)

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. कोई भी	रत्न	Suit	नहीं करेगा	: इसलिए कभी भी जीवन में
2. gemstones	धारण	नहीं	करने हैं।	सिर्फ ग्रहों का दान करके ही
3. शान्त	किया जा	सकता	है।	

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. Office Address (Head Office): Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi- 834003 (JH). Phone: +91-8789981729 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

सभी रत्न वर्जित हैं। भूलकर भी धारण ना कराऐं!

* **नोट :** रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु) : गुरु (बृहस्पति देव) : गुरु का दान करने से शरीर में रोग कम होंगे।

& गुरु, मंगल, राहु, केतु, बुध के दान एवं पाठ पूजन अवश्य करें तभी स्वास्थ्य रहने में मदद मिलेगी!

9. रोग – विश्लेषण: (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव : हड्डिओं के रोग , ह्रदय रोग , आँखों सम्बन्धी रोग।

चन्द्रमा देव : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया , फेफड़ो के रोग

मंगल देव : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

बुध देव : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

Scanned with CamScanner

बृहस्पति देव : लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।

शुक्र देव : गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता।

शनि देव : शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।

राहु देव : सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम।

केतु देव : रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

10. रोग कम करने के लिए दान : गुरु, चन्द्र, मंगल, बुध, राहु, केतु के दान दशा के According अवश्य करायें तभी रोगों को कम किया जा सकता है।

11. Comments:

☺ सीधा, सीधा, Simple, दयालु Nature रहेगा। बच्चे को दिमाग सम्बन्धी रोग हो सकते हैं। एवं पेट से सम्बन्धित रोग काफी परेशान करेंगे। Mind stable नहीं रहेगा।

पढ़ाई में concentration की problem आयेगी।

↳ उपाय :- हर सोमवार को दूध या चीनी या चावल को बच्चे का हाथ लगाकर दान करते रहे [life Time] → Quantity matter नहीं करेगी, 250gm भी दान कर सकते हैं। लेकिन दान करना अति अनिवार्य है तभी बच्चे के दिमाग सही रहेगा एवं पढ़ाई कर पायेगी।

☺ Health problems बचपन से ही होंगे! (25%) ←

बुध की दशा : 15/03/20 to 17/02/2035 : खराब दशा (25%)

↳ त्वचा सम्बन्धी रोग, Mind का विकास ठीक से नहीं हो रहा है। परिवार में धन का अभाव बनेगा। खर्च बढ़ा हुआ रहेगा। Hospital Bills भी बढ़े हुए होंगे।

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

उपाय :- बच्चे का हाथ लगाकर रोजाना चिड़ियों को 1 मुट्ठी बाजरा डालें। या किसी गरीब को या गाय को हरे रंग की वस्तु खाने वाली दें। जैसे हरी सब्जी, पालक, गाय को हरा चारा आदि।

→ किन्नर को हरे रंग की साड़ी बच्चे का हाथ लगाकर gift करें। (बुधवार के दिन)।

→ गणेश जी का पाठ पूजन कर सकते हैं।

☺ बच्चे का जन्म गण्डमूल नक्षत्र में हुआ है। इसलिए Jyeshtha नक्षत्र की शान्ति अवश्य कराएं। (अनिवार्य - 100%)

दशा :- बुध | केतु :- 17/07/20 to 13/07/21 : खराब दशा (100%)

└ बच्चे के हाथ से कुत्ते को रोटी दें या अमावस्या के दिन अचार का दान किसी गरीब को या मन्दिर में दान करें।

— Health Problems नहीं आएंगे। बेटी स्वस्थ रहेगी दान एवं उपाय की मदद से।

बुध | शुक्र :- 14/07/21 to 13/05/24 : अच्छा समय —

└ बुध का दान करते रहें। बाजरा पंछियों को खिलाते रहें। एवं तुलसी को जल देना लाभप्रद रहेगा।

Scanned with CamScanner

12. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

Education :- थोड़ा सा struggle होगा career में ! लेकिन Job के लिए कोई परेशानी नहीं आएगी ! Teaching, medical field अच्छा रहेगा !

Love life : Love life खराब रहेगी ! Married life ठीक रहेगी !

Higher Education : Higher education के योग हैं । Research work में काफी मन लगेगा । हर चीज की depth knowledge होगी !

* माता एवं पिता की परेशानी बढ़ेगी । इसके लिए सूर्य का दान रविवार को (गेहूँ का दान) & चन्द्रमा का दान सोमवार को (चावल, चीनी, दूध का दान) बच्चे के हाथ से कराने से दूर रहेगी समस्या ! (Life long follow कर सकते हैं !) ....

* 16/03/20 to 13/03/21 : Health Problems रहेंगी !
दान : केतु का दान एवं बुध का दान
आगे report से देखकर करायें !

Scanned with CamScanner

Download "Kiara Astrology App" from Google Play Store and Learn Astrology.

Stay Connected with Us.

Download App link:

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.kiara.astrology.android

Our Clients Say

Dr. S. K. Tiwari (Principal Scientific Officer, DGQA, Ordinance Factory, Kanpur)

Santosh Kumar Tiwari Sri Somvir ji is a man of high calibre having very sound knowledge of Astrology being a top class Technocrat. Every body should be associated with him to want to learn Astrology. With all good wishes Dr S K Tiwari Kanpur.

Love · Reply · Message · 8w · 1

Priya Sharma (Astrologer, Yoga Trainer, MP)

Priya Sharma I am a big fan of u. Exactly aapki wjh se hi life ko rhik se ji rhe h. Many many thanks sir 🙏 😊

Love · Reply · Message · 8w · 1

Veerji Koul (Doctor, Surgon @ Fortis Hospital, Delhi)

Veerji Koul recommends Kiara Astrology.
8 October 2019 ·

Very accurate prediction although I talk today only but the prediction he made was very accurate hand hope that the solution given work perfectly.

Soniya Sehgal recommends Kiara Astrology.
17 September 2019 ·

Very accurate, very supportive, not a money maker and very important he's also a genuine person. A positive soul too. Thanks a lot.. 😊

Scanned with CamScanner

कुण्डली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: (रविवार को करना है)	रोजाना सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** रविवार को गेहूँ का दान करना लाभदायक रहेगा। **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ऊँ सूर्याय नमः)**
चंद्र देव के उपाय: (सोमवार को करना है)	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ सों सोमाय नमः)**
मंगल देव के उपाय: (मंगलवार को करना है)	हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।** मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ भुं भौमाय नमः अथवा ऊँ अं अंगारकाय नमः)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)**
बुद्ध देव के उपाय: (बुधवार को करना है)	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ऊँ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: (बृहस्पतिवार को करना है)	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले के पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुज़ुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ बृं बृहस्पतये नमः)**
शुक्र देव के उपाय:	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।**

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk. Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

(शुक्रवार को करना है)	हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ॐ शुं शुक्राय नमः)**
शनि देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ शं शनैश्चराय नमः)**
राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ रां राहवे नमः)**
केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊं कें केतवे नमः)**

नोट: यदि आपकी कुण्डली शनि, राहु के दान के लिए अनुमति प्रदान करती है तो **अमावश्या** के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो ॥

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

ऊँ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 80011635 Date: 15/06/2020

Navya

15 Mar 2020 02:15 PM

Ghaziabad

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

Navya

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 80011635 Date: 15/06/2020

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **15/03/2020**
दिन	: रविवार
जन्म समय	: **14:15:00 ांटे**
इष्ट	: 19:22:34 घटी
स्थान	: **Ghaziabad**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 28:40:00 उत्तर
रेखांश	: 77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 13:54:44 घंटे
वेलान्तर	: -00:08:49 घंटे
साम्पातिक काल	: 01:28:24 घंटे
सूर्योदय	: 06:29:58 घंटे
सूर्यास्त	: 18:28:41 घंटे
दिनमान	: 11:58:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: वसन्त
सूर्य के अंश	: 01:05:39 मीन
लग्न के अंश	: 07:07:56 कर्क

चैत्रादि संवत / शक	: 2076 / 1941
मास	: चैत्र
पक्ष	: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	: 7
तिथि समाप्ति काल	: 27:19:33
जन्म तिथि	: 7
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: अनुराधा
नक्षत्र समाप्ति काल	: 11:23:13 घंटे
जन्म नक्षत्र	: ज्येष्ठा
सूर्योदय कालीन योग	: वज्र
योग समाप्ति काल	: 15:15:32 घंटे
जन्म योग	: वज्र
सूर्योदय कालीन करण	: विष्टि
करण समाप्ति काल	: 15:46:42 घंटे
जन्म करण	: विष्टि
भयात	: 07:09:29
भभोग	: 59:32:27
भोग्य दशा काल	: बुध 14 वर्ष 11 मा 3 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: कर्क – चन्द्र
राशि–स्वामी	: **वृश्चिक – मंगल**
नक्षत्र–चरण	: **ज्येष्ठा – 1**
नक्षत्र स्वामी	: बुध
योग	: वज्र
करण	: विष्टि
गण	: राक्षस
योनि	: मृग
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: कीटक
वर्ग	: सर्प
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: नो–नोनी
पाया(राशि–नक्षत्र)	: रजत – ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मीन

ात चक्र	
मास	: आश्विन
तिथि	: 1-6-11
दिन	: शुक्रवार
नक्षत्र	: रेवती
योग	: व्यतिपात
करण	: गर
प्रहर	: 1
वर्ग	: गरूड़
लग्न	: वृश्चिक
सूर्य	: मकर
चन्द्र	: धनु
मंगल	: कुम्भ
बुध	: वृश्चिक
गुरु	: मीन
शुक्र	: मेष
शनि	: कर्क
राहु	: वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	07:07:56	306:59:16	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	———
सूर्य			मीन	01:05:39	00:59:46	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	18:17:33	13:36:05	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	नीच राशि
मंगल			धनु	25:07:39	00:41:38	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध			कुंभ	05:22:32	00:28:32	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	सम राशि
गुरु			धनु	27:53:17	00:09:35	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			मेष	16:51:09	01:02:52	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	सम राशि
शनि			मक	05:19:42	00:04:59	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	स्वराशि
राहु	व		मिथु	10:30:41	00:00:57	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	10:30:41	00:00:57	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	उच्च राशि
हर्ष			मेष	10:10:56	00:02:51	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	———
नेप			कुंभ	24:31:12	00:02:16	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	———
प्लूटो			मक	00:26:39	00:01:10	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	———
दशम भाव			मीन	29:44:08	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शनि	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:04

लग्न–चलित

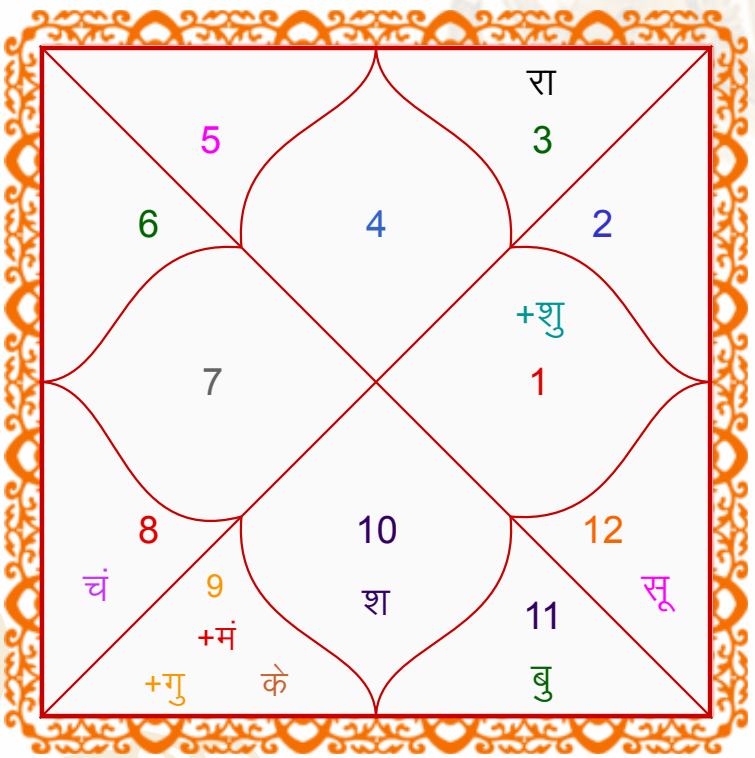

चन्द्र कुंडली

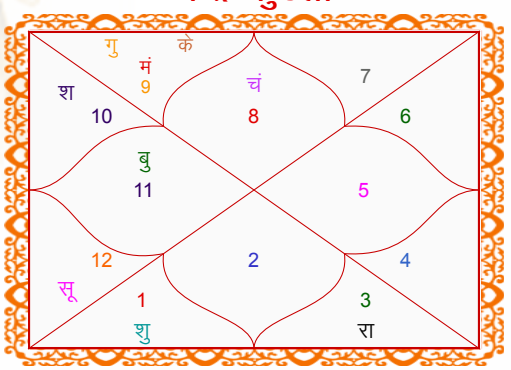

नवमांश कुंडली

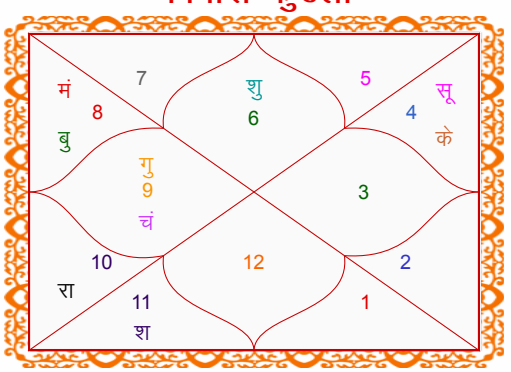

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	47	5	49	13	2	53	35
सप्तवर्गज बल	105	113	94	113	137	71	143
ओजयुग्मक बल	0	15	15	15	30	15	15
केन्द्र बल	15	30	15	30	15	60	60
द्रेष्काण बल	15	0	0	0	0	0	0
कुल स्थान बल	182	163	173	171	184	200	252
कुल दिग्बल	50	44	28	9	3	6	59
नतोन्नत बल	51	9	9	60	51	51	9
पक्ष बल	26	69	26	34	34	34	26
त्रिभाग बल	60	0	0	0	60	0	0
अब्द बल	15	0	0	0	0	0	0
मास बल	0	0	30	0	0	0	0
वार बल	45	0	0	0	0	0	0
होरा बल	60	0	0	0	0	0	0
अयन बल	55	59	2	45	2	50	56
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	312	136	66	139	148	135	91
कुल चेष्टाबल	0	0	26	39	21	24	19
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	6	8	7	9	7	-8	7
कुल षट्बल	610	402	317	394	397	399	437
रूप षट्बल	10.2	6.7	5.3	6.6	6.6	6.6	7.3
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	2.0	1.1	1.1	0.9	1.0	1.2	1.5
संबंधित पद	1	4	5	7	6	3	2

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	36.55	13.22	35.89	22.82	7.05	35.55	25.68
कष्ट फल	20.24	37.59	19.22	31.02	47.41	15.50	32.12

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	402	610	394	394	317	397	437	437	397	397	399	394
भावदिग्बल	30	20	40	30	40	10	30	10	10	0	50	50
भावदृष्टि बल	42	88	81	34	11	6	7	12	20	25	87	43
कुल भाव बल	474	718	515	458	368	413	475	459	427	423	536	487
रूप भाव बल	7.9	12.0	8.6	7.6	6.1	6.9	7.9	7.6	7.1	7.0	8.9	8.1
संबंधित पद	6	1	3	8	12	11	5	7	9	10	2	4

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

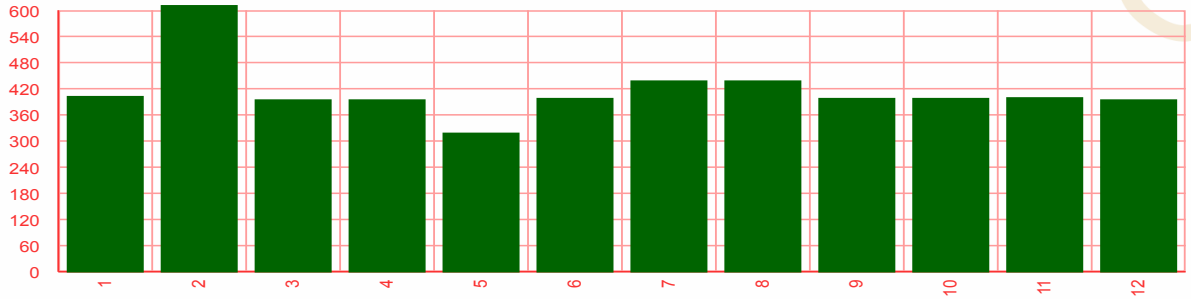

भावदिग्बल

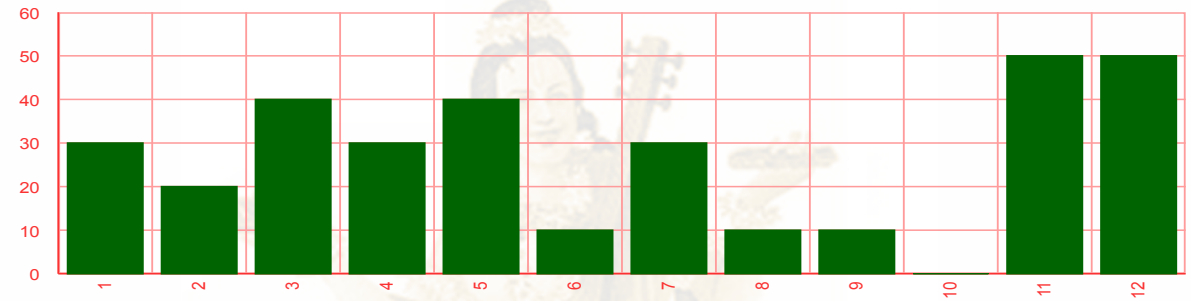

भावदृष्टि बल

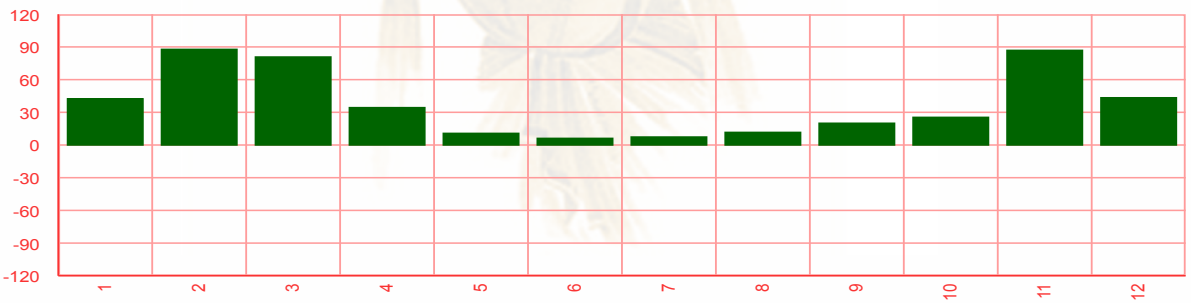

भाव बल

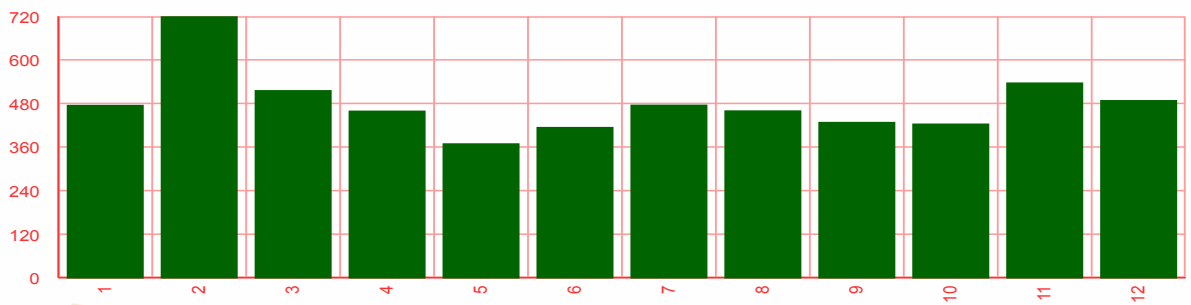

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 14 वर्ष 11 मास 3 दिन

बुध 17 वर्ष	
15/03/2020	
17/02/2035	
बुध	16/07/2020
केतु	13/07/2021
शुक्र	13/05/2024
सूर्य	19/03/2025
चंद्र	19/08/2026
मंगल	16/08/2027
राहु	04/03/2030
गुरु	09/06/2032
शनि	17/02/2035

केतु 7 वर्ष	
17/02/2035	
17/02/2042	
केतु	16/07/2035
शुक्र	14/09/2036
सूर्य	20/01/2037
चंद्र	21/08/2037
मंगल	18/01/2038
राहु	05/02/2039
गुरु	12/01/2040
शनि	20/02/2041
बुध	17/02/2042

शुक्र 20 वर्ष	
17/02/2042	
17/02/2062	
शुक्र	18/06/2045
सूर्य	19/06/2046
चंद्र	17/02/2048
मंगल	19/04/2049
राहु	18/04/2052
गुरु	18/12/2054
शनि	17/02/2058
बुध	18/12/2060
केतु	17/02/2062

सूर्य 6 वर्ष	
17/02/2062	
17/02/2068	
सूर्य	07/06/2062
चंद्र	06/12/2062
मंगल	13/04/2063
राहु	07/03/2064
गुरु	24/12/2064
शनि	06/12/2065
बुध	12/10/2066
केतु	17/02/2067
शुक्र	17/02/2068

चंद्र 10 वर्ष	
17/02/2068	
17/02/2078	
चंद्र	18/12/2068
मंगल	19/07/2069
राहु	18/01/2071
गुरु	19/05/2072
शनि	18/12/2073
बुध	20/05/2075
केतु	19/12/2075
शुक्र	18/08/2077
सूर्य	17/02/2078

मंगल 7 वर्ष	
17/02/2078	
17/02/2085	
मंगल	16/07/2078
राहु	04/08/2079
गुरु	09/07/2080
शनि	18/08/2081
बुध	16/08/2082
केतु	12/01/2083
शुक्र	13/03/2084
सूर्य	19/07/2084
चंद्र	17/02/2085

राहु 18 वर्ष	
17/02/2085	
18/02/2103	
राहु	31/10/2087
गुरु	25/03/2090
शनि	29/01/2093
बुध	19/08/2095
केतु	05/09/2096
शुक्र	06/09/2099
सूर्य	01/08/2100
चंद्र	31/01/2102
मंगल	18/02/2103

गुरु 16 वर्ष	
18/02/2103	
18/02/2119	
गुरु	07/04/2105
शनि	20/10/2107
बुध	25/01/2110
केतु	31/12/2110
शुक्र	31/08/2113
सूर्य	20/06/2114
चंद्र	20/10/2115
मंगल	25/09/2116
राहु	18/02/2119

शनि 19 वर्ष	
18/02/2119	
18/02/2138	
शनि	21/02/2122
बुध	31/10/2124
केतु	10/12/2125
शुक्र	09/02/2129
सूर्य	22/01/2130
चंद्र	23/08/2131
मंगल	01/10/2132
राहु	08/08/2135
गुरु	18/02/2138

बुध 17 वर्ष	
18/02/2138	
00/00/0000	
बुध	16/03/2140
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 11 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - बुध	
15/03/2020	
16/07/2020	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	15/03/2020
शनि	16/07/2020

बुध - केतु	
16/07/2020	
13/07/2021	
केतु	06/08/2020
शुक्र	05/10/2020
सूर्य	23/10/2020
चंद्र	22/11/2020
मंगल	14/12/2020
राहु	06/02/2021
गुरु	26/03/2021
शनि	22/05/2021
बुध	13/07/2021

बुध - शुक्र	
13/07/2021	
13/05/2024	
शुक्र	01/01/2022
सूर्य	22/02/2022
चंद्र	19/05/2022
मंगल	19/07/2022
राहु	21/12/2022
गुरु	08/05/2023
शनि	19/10/2023
बुध	13/03/2024
केतु	13/05/2024

बुध - सूर्य	
13/05/2024	
19/03/2025	
सूर्य	28/05/2024
चंद्र	23/06/2024
मंगल	11/07/2024
राहु	27/08/2024
गुरु	07/10/2024
शनि	25/11/2024
बुध	08/01/2025
केतु	26/01/2025
शुक्र	19/03/2025

बुध - चंद्र	
19/03/2025	
19/08/2026	
चंद्र	01/05/2025
मंगल	31/05/2025
राहु	17/08/2025
गुरु	25/10/2025
शनि	15/01/2026
बुध	29/03/2026
केतु	28/04/2026
शुक्र	24/07/2026
सूर्य	19/08/2026

बुध - मंगल	
19/08/2026	
16/08/2027	
मंगल	09/09/2026
राहु	02/11/2026
गुरु	20/12/2026
शनि	16/02/2027
बुध	08/04/2027
केतु	29/04/2027
शुक्र	28/06/2027
सूर्य	17/07/2027
चंद्र	16/08/2027

बुध - राहु	
16/08/2027	
04/03/2030	
राहु	02/01/2028
गुरु	06/05/2028
शनि	30/09/2028
बुध	09/02/2029
केतु	04/04/2029
शुक्र	07/09/2029
सूर्य	23/10/2029
चंद्र	09/01/2030
मंगल	04/03/2030

बुध - गुरु	
04/03/2030	
09/06/2032	
गुरु	23/06/2030
शनि	01/11/2030
बुध	26/02/2031
केतु	15/04/2031
शुक्र	31/08/2031
सूर्य	12/10/2031
चंद्र	20/12/2031
मंगल	06/02/2032
राहु	09/06/2032

बुध - शनि	
09/06/2032	
17/02/2035	
शनि	12/11/2032
बुध	31/03/2033
केतु	27/05/2033
शुक्र	07/11/2033
सूर्य	26/12/2033
चंद्र	18/03/2034
मंगल	15/05/2034
राहु	09/10/2034
गुरु	17/02/2035

केतु - केतु	
17/02/2035	
16/07/2035	
केतु	26/02/2035
शुक्र	23/03/2035
सूर्य	30/03/2035
चंद्र	12/04/2035
मंगल	20/04/2035
राहु	13/05/2035
गुरु	02/06/2035
शनि	25/06/2035
बुध	16/07/2035

केतु - शुक्र	
16/07/2035	
14/09/2036	
शुक्र	25/09/2035
सूर्य	17/10/2035
चंद्र	21/11/2035
मंगल	16/12/2035
राहु	18/02/2036
गुरु	15/04/2036
शनि	21/06/2036
बुध	21/08/2036
केतु	14/09/2036

केतु - सूर्य	
14/09/2036	
20/01/2037	
सूर्य	21/09/2036
चंद्र	02/10/2036
मंगल	09/10/2036
राहु	28/10/2036
गुरु	14/11/2036
शनि	04/12/2036
बुध	23/12/2036
केतु	30/12/2036
शुक्र	20/01/2037

केतु - चंद्र	
20/01/2037	
21/08/2037	
चंद्र	07/02/2037
मंगल	19/02/2037
राहु	23/03/2037
गुरु	21/04/2037
शनि	25/05/2037
बुध	24/06/2037
केतु	06/07/2037
शुक्र	11/08/2037
सूर्य	21/08/2037

केतु - मंगल	
21/08/2037	
18/01/2038	
मंगल	30/08/2037
राहु	21/09/2037
गुरु	11/10/2037
शनि	04/11/2037
बुध	25/11/2037
केतु	04/12/2037
शुक्र	29/12/2037
सूर्य	05/01/2038
चंद्र	18/01/2038

केतु - राहु	
18/01/2038	
05/02/2039	
राहु	16/03/2038
गुरु	06/05/2038
शनि	06/07/2038
बुध	29/08/2038
केतु	21/09/2038
शुक्र	24/11/2038
सूर्य	13/12/2038
चंद्र	14/01/2039
मंगल	05/02/2039

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

केतु - गुरु	
05/02/2039	
12/01/2040	
गुरु	22/03/2039
शनि	15/05/2039
बुध	03/07/2039
केतु	23/07/2039
शुक्र	17/09/2039
सूर्य	04/10/2039
चंद्र	02/11/2039
मंगल	22/11/2039
राहु	12/01/2040

केतु - शनि	
12/01/2040	
20/02/2041	
शनि	16/03/2040
बुध	12/05/2040
केतु	05/06/2040
शुक्र	11/08/2040
सूर्य	01/09/2040
चंद्र	04/10/2040
मंगल	28/10/2040
राहु	28/12/2040
गुरु	20/02/2041

केतु - बुध	
20/02/2041	
17/02/2042	
बुध	12/04/2041
केतु	03/05/2041
शुक्र	03/07/2041
सूर्य	21/07/2041
चंद्र	20/08/2041
मंगल	10/09/2041
राहु	03/11/2041
गुरु	22/12/2041
शनि	17/02/2042

शुक्र - शुक्र	
17/02/2042	
18/06/2045	
शुक्र	08/09/2042
सूर्य	08/11/2042
चंद्र	17/02/2043
मंगल	29/04/2043
राहु	29/10/2043
गुरु	08/04/2044
शनि	18/10/2044
बुध	08/04/2045
केतु	18/06/2045

शुक्र - सूर्य	
18/06/2045	
19/06/2046	
सूर्य	07/07/2045
चंद्र	06/08/2045
मंगल	27/08/2045
राहु	21/10/2045
गुरु	09/12/2045
शनि	05/02/2046
बुध	29/03/2046
केतु	19/04/2046
शुक्र	19/06/2046

शुक्र - चंद्र	
19/06/2046	
17/02/2048	
चंद्र	08/08/2046
मंगल	13/09/2046
राहु	13/12/2046
गुरु	04/03/2047
शनि	09/06/2047
बुध	03/09/2047
केतु	09/10/2047
शुक्र	18/01/2048
सूर्य	17/02/2048

शुक्र - मंगल	
17/02/2048	
19/04/2049	
मंगल	13/03/2048
राहु	16/05/2048
गुरु	12/07/2048
शनि	18/09/2048
बुध	17/11/2048
केतु	12/12/2048
शुक्र	21/02/2049
सूर्य	14/03/2049
चंद्र	19/04/2049

शुक्र - राहु	
19/04/2049	
18/04/2052	
राहु	30/09/2049
गुरु	23/02/2050
शनि	16/08/2050
बुध	18/01/2051
केतु	23/03/2051
शुक्र	21/09/2051
सूर्य	15/11/2051
चंद्र	14/02/2052
मंगल	18/04/2052

शुक्र - गुरु	
18/04/2052	
18/12/2054	
गुरु	26/08/2052
शनि	27/01/2053
बुध	14/06/2053
केतु	10/08/2053
शुक्र	20/01/2054
सूर्य	09/03/2054
चंद्र	29/05/2054
मंगल	25/07/2054
राहु	18/12/2054

शुक्र - शनि	
18/12/2054	
17/02/2058	
शनि	19/06/2055
बुध	30/11/2055
केतु	06/02/2056
शुक्र	17/08/2056
सूर्य	13/10/2056
चंद्र	18/01/2057
मंगल	26/03/2057
राहु	16/09/2057
गुरु	17/02/2058

शुक्र - बुध	
17/02/2058	
18/12/2060	
बुध	14/07/2058
केतु	12/09/2058
शुक्र	03/03/2059
सूर्य	24/04/2059
चंद्र	19/07/2059
मंगल	18/09/2059
राहु	20/02/2060
गुरु	07/07/2060
शनि	18/12/2060

शुक्र - केतु	
18/12/2060	
17/02/2062	
केतु	12/01/2061
शुक्र	24/03/2061
सूर्य	14/04/2061
चंद्र	20/05/2061
मंगल	13/06/2061
राहु	16/08/2061
गुरु	12/10/2061
शनि	19/12/2061
बुध	17/02/2062

सूर्य - सूर्य	
17/02/2062	
07/06/2062	
सूर्य	22/02/2062
चंद्र	04/03/2062
मंगल	10/03/2062
राहु	26/03/2062
गुरु	10/04/2062
शनि	27/04/2062
बुध	13/05/2062
केतु	19/05/2062
शुक्र	07/06/2062

सूर्य - चंद्र	
07/06/2062	
06/12/2062	
चंद्र	22/06/2062
मंगल	02/07/2062
राहु	30/07/2062
गुरु	23/08/2062
शनि	21/09/2062
बुध	17/10/2062
केतु	28/10/2062
शुक्र	27/11/2062
सूर्य	06/12/2062

सूर्य - मंगल	
06/12/2062	
13/04/2063	
मंगल	14/12/2062
राहु	02/01/2063
गुरु	19/01/2063
शनि	08/02/2063
बुध	26/02/2063
केतु	06/03/2063
शुक्र	27/03/2063
सूर्य	02/04/2063
चंद्र	13/04/2063